महेश पब्लिक स्कूल, जोधपुर

कक्षा IX

कार्यपत्रक – 2

प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

परिश्रम उन्नति का द्वार है। मनुष्य परिश्रम के सहारे ही अदिम अवस्था से वर्तमान विकसित अवस्था तक पहुँचा है। उसी के सहारे उसने अन्न, वस्त्र, घर, मकान भवन, सड़के बनाई। तकनीक का विकास किया, जिसके सहारे आज यह जगमगाती सभ्यता चल रही है। परिश्रम केवल शरीर की क्रियाओं का ही नाम नहीं है, मन तथा बुद्धि से किया गया परिश्रम भी परिश्रम कहलाता है। हर श्रम में बुद्धि तथा विवेक का पूरा योग रहता है। परिश्रम करने वाला मनुष्य सदा सुखी रहता है। परिश्रमी व्यक्ति का जीवन स्वाभिमान से पूर्ण होता है। परिश्रमी व्यक्ति किसी भी संकट को बहादुरी से झेलता है। परिश्रम कामधेनु है जिससे मनुष्य की सब इच्छाएँ पूरी हो सकती है। मनुष्य को मरते दम तक परिश्रम का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। जो परिश्रम के वक्त इनकार करता है, वह जीवन में पिछड़ जाता है।

1. वर्तमान विकसित अवस्था तक मनुष्य कैसे पहुँचा?
2. मन और बुद्धि से किया जाना वाला कार्य कौन सा है?
3. परिश्रमी व्यक्ति में कौन – कौन से गुण होते है?
4. मनुष्य की सारी इच्छाएँ कैसे पूरी हो सकती है?

प्रश्न 2 (क) निम्न शब्दों में मूल शब्दों व उपसर्गो को अलग करके लिखिए–

(1) अपयश	(2) उन्नति	(3) संगति	(4) सुनयन
(5) अभिभावक	(6) निर्जन	(7) बदनाम	(8) आजन्म

(ख) निम्न शब्द में मूल शब्दों व प्रत्यय को अलग करके लिखिए–

(1) मिलान	(2) खिवैया	(3) भुलक्कड़	(4) सनसनाहट
(1) दक्षिणी	(2) तरावट	(3) दुखी	(4) अकेलापन

प्रश्न 3 **(क) निम्नलिखित शब्दों के संधि–विच्छेद कीजिए–**

(1) विद्‌यालय	(2) दीक्षांत	(3) दीनानाथ	(4) सीमांकित
(5) महेश्वर	(6) भारतेंदु	(3) देवेंद्र	(4) उमेश

प्रश्न 4 ग्रीष्मावकाश में कहीं घुमने जाने का कार्यक्रम बनाते भाई– बहन के बीच संवाद लगभग 50 शब्दों में लिखिए।
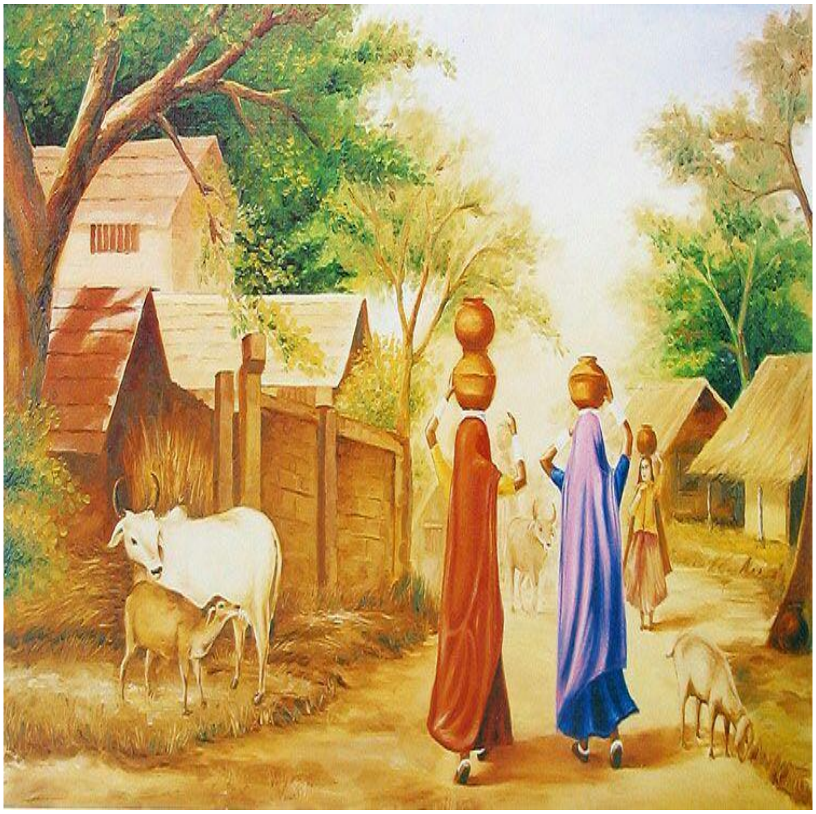
प्रश्न 5 नीचे दिए गए चित्र का वर्णन 15–20 शब्दों में कीजिए।